



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रभागारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 18, 1974/पौष 28, 1895

No. 31] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 18, 1974/PAUSA 28, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.

## MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

## NOTIFICATION

New Delhi, the 18th January 1974

S.O. 44 (E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary to appoint a Commission of Inquiry for the purpose of making an inquiry into a definite matter of public importance, namely, the accident involving the collapse of two spans (under construction) of the Safdarjung Fly-over at the work site in New Delhi on the 9th January, 1974;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby appoints a Commission of Inquiry consisting of a single member, namely, Professor G. S. Ramaswamy, Director, Structural Engineering Research Centre, Roorkee and Coordinating Director C.S.I.R. Madras Complex, Adyar, Madras-600020.

2. The said Commission shall inquire into the facts and circumstances including the causes leading to the said collapse and suggest along with its recommendations, if any, measures for prevention of a similar occurrence in future.

3. The headquarters of the Commission will be at Delhi.

4. The Commission shall submit its report to the Central Government as soon as possible but not later than the 28th February, 1974.

5. The Central Government being of opinion that, having regard to the nature of the inquiry to be made by the said Commission and other circumstances of the case, all the provisions of sub-section (2), sub-section (3), sub-section (4) and sub-section (5) of section 5 of the said Act should be made applicable to the Commission, hereby directs, under sub-section (1) of the said section 5, that all the said provisions shall apply to the said Commission.

[No. N. 11015/1/74-LSG.]  
MAHMOOD BUTT, Jt. Secy.

**निर्माण और प्रावास मंत्रालय**

**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1974

**कांग्रा० 44(आ)**.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि मार्वजनिक महत्व के निश्चिन मामले अर्थात् 9 जनवरी, 1974 को दिल्ली में सफदर्जग पुल के निर्माण स्थल पर दो महराबों (निर्माणाधीन) के गिरने से संबंधित दुर्घटना के संबंध में जांच करने के प्रयोजन के लिए एक जांच आयोग नियुक्त किया जाना आवश्यक है;

**अतः अब, जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एक जांच आयोग नियुक्त करती है जिसमें एकल सदस्य, प्रोफेसर जी० एम० रामास्वामी, निवेशक, संरचनात्मक इंजीनियरी संस्थान केन्द्र, मुमुक्षु और समन्वय निवेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, मद्रास कल्पेश्वर, अडियार, मद्रास-600020 होगा।**

2. उक्त आयोग ऐसे तथ्यों और परिस्थितियों जिन के अन्तर्गत उक्त गिरने की दुर्घटना से संबंधित कारण भी हैं, के संबंध में जांच करेगा और अपनी विफारिशों, यदि कोई हों, के साथ भवित्व में वैसी ही दुर्घटना को रोकने के लिए उपाय सुझायेगा।

3. आयोग का मुख्यालय दिल्ली में होगा।

4. आयोग अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को यथाशाक्यशीघ्र किन्तु 28 फरवरी, 1974 के अपश्चात् देगा।

5. चूंकि केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त आयोग द्वारा की जाने वाली जांच की प्रकृति और इस मामले की अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (2), उपधारा (3), उपधारा (4) और उपधारा (5) के सभी उपबन्ध आयोग को लागू किए जाने चाहिए, इसलिए वह उक्त धारा 5 की उपधारा (i) के अधीन यह निदेश देती है कि उक्त सभी उपबन्ध उक्त आयोग को लागू होंगे।

[सं० एन० 11015/1/74—एल०एस० जी०]

महमूद बट्टा, संयुक्त सचिव।